

5.00 P.M.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.P. SINGH BADNORE): Just a minute. Do you want...

SHRI VIJAY JAWAHARLAL DARDA: Sir, just give me two minutes.

उपसभाध्यक्ष (श्री वी.पी.सिंह बदनौर) : अगर आप चाहते हैं तो नेक्स्ट डे जब भी आपका रेजोल्यूशन होगा, तब आप इस पर फिर बोल सकते हैं। अब पांच बज रहे हैं, I think the House does not want to... (Interruptions)...

SHRI VIJAY JAWAHARLAL DARDA: Okay, Sir, I will continue next time.

SPECIAL MENTION — Contd

Demand to pass the communal violence Bill early so as to protect the fraternity and brotherhood in the country

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.P. SINGH BADNORE): Okay, this Resolution would be taken up on the next day allotted to the Private Members' Resolutions. But before that Chaudhary Munovver Saleem will lay his Special Mention.

चौधरी मुनवर सलीम (उत्तर प्रदेश): सर, मैं एक मिनट में पढ़ दूंगा।

† **چودھری منور سلیم :** سر، میں ایک منٹ میں پڑھ دوں گا۔

उपसभाध्यक्ष (श्री वी. पी. सिंह बदनौर): आप ले कर दीजिए। आप पूरा नहीं पढ़ सकेंगे, पूरा पढ़ना आपको एलाउ नहीं किया है, आप थोड़ा सा बोलकर ले कर दीजिए।

चौधरी मुनवर सलीम : महोदय, मैं एक मिनट में पढ़ दूंगा। माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय देश का स्वभाव और स्वरूप, सद्भाव, प्रेम और भाईचारा है। इसी कारण संविधान रचयिताओं ने संविधान की मूल भावना धर्म निरपेक्षता को ही माना है। महोदय, भारत वर्ष के इतिहास में यह गर्व प्राप्त है जब भक्तिकाल को पढ़ेंगे तो साहित्य में रहीम, रसखान, कबीर के बिना भक्तिकाल पूरा नहीं होगा।

† **چودھری منور سلیم :** مہودے، میں ایک منٹ میں پڑھ دوں گا۔ مانتے آپ سبھا ادھیکش

مہودے، دیش کا سوبھاؤ اور سوروپ سوبھاؤ، پریم اور بھائی چارہ ہے۔ اسی کارن

سنویدھان رچیتاؤں نے سنودھان کی مول بھاونہ، دھرم نریپکشتا کو بی مانا ہے۔ مہودے،

بھارت ورش کے اتھاس کو یہ گرو پراپت ہے کہ جب بھکتی کال کو پڑھیں گے تو سانبتیہ

میں رحیم، رس-خان، کبیر کے بنا بھکتی کال پورا نہیں ہوگا۔

उपसभाध्यक्ष (श्री वी.पी.सिंह बदनौर): आप ले कर दीजिए प्लीज।

† Transliteration in Urdu Script.

چوہدری منور سلیم: भारत वर्ष का यह सुनहरा इतिहास भी है कि एक मुस्लिम शासक के कार्यकाल में तुलसीकृत रामायण रची गई थी। मेरे भारत को यह रूतबा भी हासिल है कि यहां रहने वाली मुस्लिम आबादी ने अपना बाब-ए-कौम एक हिन्दू यानी गांधी जो को माना और बापू को महात्मा की महान उपाधि से सरफराज किया।

آچودھری منور سلیم : بھارت ورش کا یہ سنہرا اتہاس بھی ہے کہ ایک مسلم شاسک کے کارنے کال میں تلسی-کرت رامائن رچی گئی تھی۔ میرے بھارت کو یہ رتبہ بھی حاصل ہے کہ یہاں رہنے والی مسلم آبادی نے اپنا بابائے قوم ایک ہندو یعنی گاندھی جی کو مانا اور باپو کو مہاتما کی مہان اپادھی سے سرفراز کیا۔

उपसभाध्यक्ष (श्री वी पी सिंह बदनौर): आप ले कर दीजिए प्लीज।

चौधरी मुनवर सलीम: वर्तमान सामाजिक माहौल में जिस प्रकार की सांप्रदायिक भाषा का उपयोग कुछ लोग विशेष रूप से मुस्लिम समाज के लिए कर रहे हैं। वह चिंताजनक है। महोदय, दुनिया का निजाम है कि ताकतवर कमजोर को सताता है, परंतु यह भी एक सत्य है कि संसार में नायक भी वहीं लोग कहलाए जिन लोगों ने निर्बल अथवा कमजोर लोगों का साथ दिया है।

آچودھری منور سلیم : ورتمان سماجک ماحول میں جس پرکار کی سامپردانک بھاشا کا ایبوغ کچھ لوگ وشیش روپ سے مسلم سماج کے لئے کر رہے ہیں، وہ چنٹا جنک ہے۔ مہودے دنیا کا نظام ہے کہ طاقتور کمزور کو ستاتا ہے لیکن یہ بھی ایک سٹے ہے کہ سنسار میں نانک بھی وہی لوگ کہلانے، جن لوگوں نے نربل اور کمزور کا ساتھ دیا ہے۔

उपसभाध्यक्ष (श्री वीपीसिंह बदनौर) : धन्यवाद, अब आप ले कर दीजिए प्लीज। I allowed you only to lay your Special Mention.

चौधरी मुनवर सलीम : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि देश की तरक्की, खुशहाली और शांति के लिए यह जरूरी है कि ...**(व्यवधान)**...

آچودھری منور سلیم : مہودے، میں آپ کے مادھیم سے سرکار سے انورودھ کرتا ہوں کہ دیش کی ترقی، خوشحالی اور شانتی کے لئے یہ ضروری ہے کہ ...**(مداخلت)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री वीपीसिंह बदनौर) : दर्जा जी, आप कुछ कह रहे थे? ...**(व्यवधान)**...

श्रीविजय जवाहरलाल दडा (महाराष्ट्र): सर, मैं यह कह रहा था कि मैं आगे कॉन्टिन््यू कर ही रहा हूँ ...**(व्यवधान)**...

चौधरी मुनवर सलीम : मज़हबी नफरत फैलाने वाले संगठन और लोग, जो भारत को कमजोर करना चाहते हैं, उन पर सख्त कार्यवाही हो। ...**(व्यवधान)**...

آچودھری منور سلیم : مذہبی نفرت پھیلانے سنگٹھن اور لوگ، جو بھارت کو کمزور کرنا چاہتے ہیں، ان پر سخت کارواہی ہو ...**(مداخلت)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री वी पी सिंह बदनौर): नेक्स्ट डे आप ही शुरुआत करेंगे, तब आपको मौका मिल जाएगा। जब भी आपका प्राइवेट मेंबर्स डे आएगा और रेजोल्यूशन पर डिस्कशन होगा तब आपको शुरुआत करनी होगी। **... (व्यवधान) ...** सलीम साहब, आप बाकी ले कर दीजिए प्लीज।

चौधरी गुनवर सलीम : ठीक है सर, मैं अपना शेष स्पेशल मेंशन ले करता हूँ। *महोदय, मैं कम्यूनल वाइलेंस बिल को दुबारा से सदन में लाने की मांग करता हूँ। मैं सोचता हूँ कि सद्भावी स्वरूप को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि एक ऐसा मजबूत कानून सरकार द्वारा लाया जाए जिसके लागू होने के बाद सांप्रदायिक उन्माद फैलाते समय फिरकापरस्त ताकतों में भय व्याप्त हो जाए और इस तरह का कानून कम्यूनल वाइलेंस बिल के रूप में तैयार है और पहले से ही पूर्व सरकार के पास विचारार्थीन था। मैं सरकार से इस बिल को तत्काल पटल पर लाकर पारित कराने की मांग करता हूँ, जिससे भारत माता के सद्भावी स्वरूप को सामाजिक चेतना तथा सख्त कानून के माध्यम से बचाया जा सके। मैं अपनी बात माननीय उदय प्रताप सिंह जी की इन पक्तियों के साथ पूरी करता हूँ :

"न तेरा है, न मेरा है, हिंदोस्ता सबका है,
नहीं समझी गई यह बात, तो नुकसान सबका है।
यहां मिलती हैं जो नदियां, वो दिखलाई नहीं देतीं,
महासागर बनाने में मगर अहसान सबका है।

† **चौधरी मनूर سلیم :** تھیک ہے سر، میں اپنا ٹیش اسپیشل مینشن لے کرتا ہوں۔

* مہودے، میں کمیونل وائلینس بل کو دوبارہ سے سدن میں لانے کی مانگ کرتا ہوں۔ میں سوچتا ہوں کہ سدبھائی سوروپ کو بنائے رکھنے کے لئے یہ ضروری ہے کہ ایک ایسا مضبوط قانون سرکار دوارا لایا جائے جس کے لاگو ہونے کے بعد سامپرڈانک انماذ پھیلاتے وقت فرقہ پرست طاقتوں میں بھنے ویایت ہو جائے اور اس طرح کا قانون کمیونل وائلینس بل کے روپ میں تیار ہے اور پہلے سے ہی پچھلی سرکار کے پاس وچار دھین تھا۔ میں سرکار سے اس بل کو تیکال پٹل پر لاکر پارت کرانے کی مانگ کرتا ہوں، جس سے بھارت ماتا کے سدبھائی سوروپ کو سماجک چیتنا اور سخت قانون کے مادھیم سے بچایا جا سکے۔ میں اپنی بات مائنے ادے پرتاپ سنگھ جی کی ان پنکٹیوں کے ساتھ پوری کرتا ہوں۔

"نہ تیرا ہے، نہ میرا ہے، ہندوستان سب کا ہے
نہیں سمجھی گئی یہ بات، تو نقصان سب کا ہے
یہاں ملتی ہے جو ندیاں، وہ دکھلائی نہیں دیتیں
مہاساگر بنانے میں مگر احسان سب کا ہے"

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.P. SINGH BADNORE): The House stands adjourned to meet on Monday, the 4th August, 2014 at 11.00 hrs..

*The House then adjourned at three minutes past
five of the clock till eleven of the clock
on Monday, the 4th August, 2014.*

* Laid on the Table.

† Transliteration in Urdu Script.